डा० तारा को मदर टिरिसा अवार्ड

१६ अक्टूबर,२००८ को कन्सटिच्यूशन क्लब, रफी मार्ग, नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में , मुम्बई की वरिष्ठ छायावादी कवयित्री, गज़लकार, गीतकार व कहानीकार , डा० श्रीमती तारा सिंह को उनकी सुदीर्घ हिन्दी सेवा एवं साहित्यिक क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियों के लिए ,**'मदर टिरिसा अवार्ड, २००८'** एवं **'राष्ट्रीय गौरव रत्न अवार्ड, २००८'** तथा **गोल्ड मेडल** से अलंकृत किया गया । श्री भाई महावीर, भूतपूर्व मध्य प्रदेश राज्यपाल एवं श्री जोगेन्द्र सिंह, भूतपूर्व निदेशक, सी० बी० आई० के कर कमलों द्वारा श्रीमती तारा सिंह को अवार्ड स्वरूप दो स्वर्ण जड़ित ट्रॉफी, प्रशस्ति पत्र तथा गोल्ड मेडल प्रदान किये गये ।

२३ - २४ अक्टूबर, २००८ को जयकुल सदन, तिलकामांझी, भागलपुर में आयोजित, विक्रमशिला हिन्दी विद्यापीठ, गांधीनगर (भागलपुर) के वार्षिक अलंकरण समारोह के अवसर पर, डॉ० श्रीमती तारा सिंह को उनकी उत्कृष्ट एवं सारस्वत साहित्य साधना ,कला के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियों एवं राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा के आधार पर ,' **विद्या सागर**' की उपाधि से विभूषित किया गया । विक्रमशिला हिन्दी विद्यापीठ के कुलपति, डॉ० तेजनारायण कुशवाहा के हाथों उक्त प्रमाण- पत्र एवं ' **अंग गौरव'** मानदोपाधि से श्रीमती सिंह को नवाज़ा गया । इसी मंच पर पंचशील चैरिटेबुल सोसाइटी. नई दिल्ली द्वारा श्रीमती सिंह को साहित्य क्षेत्र में उत्तम अवदान हेतु ' **पंचशील शिरोमणि सम्मान** ' द्वारा अलंकृत किया गया । इसी बीच, श्रीमती तारा सिंह को उनकी उच्चस्तरीय रचना- धर्मिता एवं राष्ट्रहितकारी सृजन हेतु साहित्यमंडल, श्रीनाथद्वारा (राज०) द्वारा ' हिन्दी भाषा भूषण सम्मान, २००८';नवयुग साहित्य संगम, लखनऊ द्वारा ,**'काव्य शिरोमणि'**; सृजनदीप कलामंच, पिथौरागढ़ द्वारा' **सृजनदीप सम्मान'**; आकृति साहित्यिक मंच, पीलीभीत द्वारा,' **फनकार- ए-गज़ल सम्मान'**; लोकभारती सेवा संस्थान, सुलतानपुर द्वारा ' **भारत भूषण सम्मान, २००८'**; दून द्रोण विकास समिति, देहरादून द्वारा ' **सा० प्र० साहित्यकार कुलभूषण सम्मान, २००८'** से सम्मानित किया गया। श्रीमती सिंह अब तक ११५ विभिन्न राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय साहित्यिक / शैक्षणिक सस्थानों / अकादमी द्वारा सम्मानित / पुरस्कृत हो चुकी हैं और उनकी २० पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं ।